राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम

वाणिज्य संकाय

कार्यक्रम का नाम: UG0203 – तीन/ चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक (ABST)

बी. कॉम. (ABST)

विषय/विषय - ABST

(NEP - 2020 विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली के अनुसार पाठ्यक्रम**)**

शिक्षण का माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी

शैक्षणिक सत्र 2025-26

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

कार्यक्रम का नाम: UG0203 - चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक (ABST)

B. Com. (ABST)

क्रम संख्या	अनुशासन / विषय	पृष्ठ संख्या
1.	कार्यक्रम की पूर्वापेक्षाएँ और परिणाम	2
2.	परीक्षा की योजना	3
3.	संपर्क घंटे	3
4.	निकास और प्रवेश नीति	4
5.	लेटर ग्रेड और ग्रेड पॉइंट	4
6.	सेमेस्टर वार पेपर विवरण	5
7.	सेमेस्टर I और VI (ABST) का विस्तृत पाठ्यक्रम	6-35

विश्वविद्यालय का नाम	**राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर**
संकाय का नाम	**वाणिज्य**
कार्यक्रम का नाम	**UG0203-B.Com. (ABST)**
अनुशासन का नाम	**प्रमुख अनुशासन – ABST** **लघु अनुशासन - BADM, EAFM**

कार्यक्रम की पूर्व-आवश्यकताएँ

सीबीएसई, आरबीएसई या किसी भी स्ट्रीम में मान्यता प्राप्त शिक्षा बोर्ड से 12वीं कक्षा उत्तीर्ण।

कार्यक्रम परिणाम (पीओ)

बी.कॉम. (एबीएसटी) में कार्यक्रम परिणाम, जिसमें बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन या ईएएफएम में माइनर शामिल है:

1. लेखांकन ज्ञान: छात्र वित्तीय लेखांकन, लागत लेखांकन, प्रबंधन लेखांकन, लेखा परीक्षा और कराधान सहित लेखांकन सिद्धांतों, अवधारणाओं और प्रथाओं की व्यापक समझ हासिल करेंगे।
2. वित्तीय विवरण विश्लेषण: छात्र वित्तीय विवरणों का विश्लेषण और व्याख्या करने, संगठनों के वित्तीय स्वास्थ्य का आकलन करने और वित्तीय जानकारी के आधार पर सूचित निर्णय लेने में कौशल विकसित करेंगे।
3. कराधान: छात्रों को व्यक्तियों और व्यवसायों दोनों के लिए कर कानूनों, विनियमों और प्रक्रियाओं का ज्ञान प्राप्त होगा। वे आयकर, माल और सेवा कर (जीएसटी), कर नियोजन और अनुपालन के बारे में जानेंगे।
4. लेखा परीक्षा और आश्वासन: छात्र लेखा परीक्षा के सिद्धांतों और प्रथाओं को समझेंगे, जिसमें लेखा परीक्षकों की भूमिका, लेखा परीक्षा प्रक्रियाएँ, आंतरिक नियंत्रण, जोखिम मूल्यांकन और लेखा परीक्षा में नैतिक विचार शामिल हैं।
5. लेखांकन सॉफ्टवेयर और प्रौद्योगिकी: छात्र लेखांकन सॉफ्टवेयर और क्षेत्र में उपयोग किए जाने वाले प्रौद्योगिकी उपकरणों से परिचित होंगे, जैसे टैली, एमएस एक्सेल, स्प्रेडशीट, वित्तीय प्रबंधन सॉफ्टवेयर और डेटा एनालिटिक्स टूल।
6. वित्तीय प्रबंधन: छात्र पूंजी बजट, पूंजी संरचना, कार्यशील पूंजी प्रबंधन, वित्तीय पूर्वानुमान और जोखिम प्रबंधन सहित वित्तीय प्रबंधन सिद्धांतों के बारे में जानेंगे।
7. संचार और पारस्परिक कौशल: छात्र लिखित और मौखिक दोनों तरह के अपने संचार कौशल को बढ़ाएँगे और टीमों में प्रभावी ढंग से काम करने, वित्तीय जानकारी प्रस्तुत करने और हितधारकों के साथ संवाद करने की क्षमता विकसित करेंगे।
8. विश्लेषणात्मक और समस्या-समाधान कौशल: छात्र मजबूत विश्लेषणात्मक और समस्या-समाधान कौशल विकसित करेंगे, जिससे वे जटिल वित्तीय डेटा का विश्लेषण करने, मुद्दों की पहचान करने और उचित समाधान प्रस्तावित करने में सक्षम होंगे।
9. शोध कौशल: छात्रों को प्रासंगिक लेखांकन जानकारी एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने, वित्तीय शोध करने और बदलते लेखांकन मानकों और विनियमों के साथ अद्यतन रहने के लिए शोध कौशल से लैस किया जाएगा। ये कार्यक्रम परिणाम लेखांकन, वित्त, लेखा परीक्षा, कराधान, वित्तीय विश्लेषण, परामर्श और संबंधित क्षेत्रों में करियर के लिए ABST स्नातकों में बी.कॉम. तैयार करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

परीक्षा की योजना-

1 क्रेडिट = परीक्षा/मूल्यांकन के लिए 25 अंक

सतत मूल्यांकन, जिसमें सत्रीय कार्य और टर्मिनल परीक्षा अंतिम ग्रेड में जोड़े जायेंगे। सेमेस्टर ग्रेड प्वाइंट औसत (एसजीपीए) में प्रत्येक पाठ्यक्रम के दो घटक हैं- सतत मूल्यांकन (20% वेटेज) और (सेमेस्टर परीक्षा का अंत) ईओएसई (80% वेटेज)।

1. सत्रीय कार्य में कक्षा परीक्षण, मध्य-सेमेस्टर परीक्षा, गृहकार्य असाइनमेंट आदि शामिल होंगे, जैसा कि अध्ययन के पाठ्यक्रमों के प्रभारी संकाय द्वारा निर्धारित किया जाता है।

2. ईओएसई का प्रत्येक पेपर पाठ्यक्रम/विषय के कुल अंकों का 80% होगा। ईओएसई 3 घंटे की अवधि का होगा। प्रत्येक प्रश्न के बराबर अंक होंगे और इसके तीन भाग होंगे:-

- प्रश्न पत्र के भाग A में 2 अंक के 10 अतिलधुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। यह पहला प्रश्न पाठ्यक्रम में शामिल विषयों/पाठ्यपुस्तकों के ज्ञान, समझ और अनुप्रयोगों पर आधारित होगा।
- प्रश्न–पत्र के भाग B में 4 लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न होगा जो कि 10 अंक का होगा। जिनमें से कोई 2 प्रश्न हल करने होंगे। चारों प्रश्न प्रत्येक इकाई से एक आंतरिक विकल्प के साथ सेट किए जाएंगे।
- प्रश्न–पत्र के भाग C में 4 प्रश्न होंगे जिसमें प्रति इकाई में से एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ होगा तथा प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा।

प्रश्न पत्र के भाग	प्रश्न	अंक	कुल अंक
भाग A	10 अतिलधुत्तरात्मक प्रश्न	2	20
भाग B	4 लघुत्तरात्मक प्रश्न (जिनमें से कोई 2 प्रश्न हल करने होंगे)	10	20
भाग C	4 प्रश्न (प्रति इकाई में से एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ)	20	80
कुल अंक			**120**

3. EoSE में उपस्थित होने के लिए 75% उपस्थिति अनिवार्य है।

4. किसी कोर्स/विषय की EoSE परीक्षा में उपस्थित होने के लिए छात्र को मध्य सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होना चाहिए और कोर्स/विषय में कम से कम "C" ग्रेड प्राप्त करना चाहिए।

5. किसी कोर्स/विषय में क्रेडिट अंक केवल तभी दिए जाएंगे, जब छात्र किसी कोर्स/विषय की मिडटर्म और EoSE परीक्षा में कम से कम C ग्रेड प्राप्त करता है।

संपर्क घंटे- प्रति सेमेस्टर 15 सप्ताह

एल – व्याख्यान (1 क्रेडिट = 1 घंटा/सप्ताह)
टी – ट्यूटोरियल (1 क्रेडिट = 1 घंटा/सप्ताह)
एस – सेमिनार (1 क्रेडिट = 2 घंटे/सप्ताह)
पी – प्रैक्टिकल (1 क्रेडिट = 2 घंटे/सप्ताह)
एफ – फील्ड प्रैक्टिस/प्रोजेक्ट (1 क्रेडिट = 2 घंटे/सप्ताह)

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एसए – स्टूडियो गतिविधियाँ (1 क्रेडिट = 2 घंटे/सप्ताह)
आई – इंटर्नशिप (1 क्रेडिट = 2 घंटे/सप्ताह)
सी – सामुदायिक जुड़ाव और सेवा (1 क्रेडिट = 2 घंटे/सप्ताह)

निकास और प्रवेश नीति

1. जो छात्र पहले वर्ष के पूरा होने के बाद बाहर निकलने का विकल्प चुनते हैं और 48 क्रेडिट प्राप्त कर लेते हैं, उन्हें यूजी सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा, यदि इसके अलावा, वे पहले वर्ष की गर्मियों की छुट्टियों के दौरान 4 क्रेडिट की एक इंटर्नशिप पूरी करते हैं। इन छात्रों को तीन साल के भीतर डिग्री प्रोग्राम में फिर से प्रवेश करने और निर्धारित अधिकतम सात साल की अवधि के भीतर डिग्री प्रोग्राम पूरा करने की अनुमति है।

2. जो छात्र दूसरे वर्ष के पूरा होने के बाद बाहर निकलने का विकल्प चुनते हैं और 96 क्रेडिट प्राप्त कर लेते हैं, उन्हें यूजी डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा, यदि इसके अलावा, वे दूसरे वर्ष की गर्मियों की छुट्टियों के दौरान 4 क्रेडिट की एक इंटर्नशिप पूरी करते हैं। इन छात्रों को तीन साल की अवधि के भीतर फिर से प्रवेश करने और अधिकतम सात साल की अवधि के भीतर डिग्री प्रोग्राम पूरा करने की अनुमति है।

3. जो छात्र 3-वर्षीय यूजी प्रोग्राम से गुजरना चाहते हैं, उन्हें तीन साल सफलतापूर्वक पूरा करने, 150 क्रेडिट प्राप्त करने और न्यूनतम क्रेडिट आवश्यकता को पूरा करने के बाद प्रमुख विषय में यूजी डिग्री प्रदान की जाएगी।
4. प्रमुख विषय में चार वर्षीय यूजी ऑनर्स की डिग्री उन लोगों को प्रदान की जाएगी, जिन्होंने 200 क्रेडिट के साथ चार वर्षीय डिग्री प्रोग्राम पूरा किया है और न्यूनतम क्रेडिट आवश्यकताओं को पूरा किया है।
5. जो छात्र पहले छह सेमेस्टर में 75% या उससे अधिक अंक प्राप्त करते हैं और स्नातक स्तर पर शोध करना चाहते हैं, वे चौथे वर्ष में शोध स्ट्रीम चुन सकते हैं। उन्हें विश्वविद्यालय/कॉलेज के किसी संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में शोध परियोजना या शोध प्रबंध करना चाहिए। शोध परियोजना/शोध प्रबंध प्रमुख विषय में होगा। जो छात्र शोध परियोजना/शोध प्रबंध से 12 क्रेडिट सहित 200 क्रेडिट प्राप्त करते हैं, उन्हें यूजी डिग्री (शोध के साथ ऑनर्स) प्रदान की जाती है।

अक्षर ग्रेड और ग्रेड पॉइंट

अक्षर ग्रेड	ग्रेड पॉइंट	अंक रेंज (%)
O (उत्कृष्ट)	10	91 – 100
A+ (उत्कृष्ट)	9	81 – 90
A (बहुत अच्छा)	8	71 – 80
B+ (अच्छा)	7	61 – 70
B (औसत से ऊपर)	6	51 – 60
C (औसत)	5	40 – 50
P (पास)	4	
F (फेल)	0	
Ab (अनुपस्थित)	0	

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

सेमेस्टर आधारित पेपर शीर्षक

कार्यक्रम का नाम: UG0203 - चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक (ABST)								
				UG0203-B.Com. (एबीएसटी)	क्रेडिट			
क्रम संख्या	स्तर	सेमेस्टर	प्रकार	शीर्षक	L	T	P	कुल
1	5	I	MJR	UG0203-ABS-51T-101-वित्तीय लेखांकन	6	0	0	6
2	5	I	MJR	UG0203-ABS-51T-102- निगमीय लेखांकन	6	0	0	6
3	5	II	MJR	UG0203-ABS-52T-103-व्यावसायिक सांख्यिकी	6	0	0	6
4	5	II	MJR	UG0203-ABS-52T-104- उच्चतर कॉर्पोरेट लेखांकन	6	0	0	6
5	6	III	MJR	UG0203-ABS-63T-201-लागत लेखांकन	6	0	0	6
6	6	III	MJR	UG0203-ABS-63T-202- उच्चतर व्यावसायिक सांख्यिकी	6	0	0	6
7	6	IV	MJR	UG0203-ABS-64T-203-आयकर कानून और व्यवहार	6	0	0	6
8	6	IV	MJR	UG0203-ABS-64T-204- वित्तीय सेवाएँ	6	0	0	6
9	7	V	MJR	UG0203-ABS-75T-301- अंकेक्षण और वित्तीय रिपोर्टिंग विश्लेषण	6	0	0	6
10	7	V	MJR	UG0203-ABS-75T-302-सुरक्षा विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन	6	0	0	6
11	7	VI	MJR	UG0203-ABS-76T-303- माल और सेवा कर (जीएसटी)	6	0	0	6
12	7	VI	MJR	UG0203-ABS-76T-304- परिचालन अनुसंधान	6	0	0	6

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

पाठ्यक्रम: UG0203-B.Com. (ABST)

सेमेस्टर-I - ABST

प्रकार	पेपर कोड और नामकरण	परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक (मिडटर्म + EoSE)	न्यूनतम अंक (मिडटर्म + EoSE)
सिद्धांत	UG0203-ABS-51T-101-वित्तीय लेखांकन	मिडटर्म-1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म-12 अंक EoSE-48 अंक
सिद्धांत	UG0203-ABS-51T-102-निगमीय लेखांकन	मिडटर्म-1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म-12 अंक EoSE-48 अंक

कार्यक्रम का नाम: चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक (पास कोर्स)
पाठ्यक्रम का शीर्षक: वित्तीय लेखांकन (सिद्धांत)
पेपर कोड:UG0203-ABS-51T-101
सेमेस्टर: I

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
I	UG0203-ABS-51T-101	वित्तीय लेखांकन	5	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार		
प्रारंभिक	प्रमुख	व्याख्यान - प्रति सप्ताह छह घंटे		

परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
मिडटर्म -1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म -12 अंक EoSE-48 अंक

विस्तृत पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. वित्तीय लेखांकन का वैचारिक ज्ञान प्रदान करना।
2. किसी व्यवसाय के वित्तीय विवरणों का ज्ञान और समझ प्रदान करना।
3. विभागीय लाभ और हानि खाता और चिट्ठा तैयार करना।
4. शाखा खाते तैयार करने की विभिन्न विधियों की व्याख्या करना।
5. आग दुर्घटना की स्थिति में स्टॉक की हानि, लाभ की परिणामी हानि और बीमा कंपनी से दावा की जाने वाली राशि के मूल्यांकन की प्रक्रिया की व्याख्या करना।
6. सभी प्रासंगिक समायोजनों के साथ बहीखाता पद्धति की एकल प्रविष्टि को दोहरी प्रविष्टि प्रणाली में बदलने में शामिल चरणों की व्याख्या करना।
7. किराया खरीद, किस्त से संबंधित लेन-देन के लिए खाते तैयार करना।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

इकाई-I

लेखांकन: अर्थ, अवधारणा, लेखांकन का महत्व और क्षेत्र, बुनियादी लेखांकन सिद्धांत, परंपराएँ, अवधारणाएँ, प्रक्रियाएँ, विधियाँ, लेखांकन के रूप और लेखांकन जानकारी के उपयोग।

लेखांकन समीकरण और खातों के प्रकार, व्यावसायिक लेनदेन रिकॉर्ड करने के नियम। जर्नल, सहायक पुस्तकें, खतौनी जीएसटी का उपचार और तलपट की तैयारी, व्यापार खाता, लाभ और हानि खाता और समायोजन के साथ चिठ्ठा।

इकाई-II

विभागीय लेखा: विभागीय खातों का अर्थ और उद्देश्य; सामान्य व्यय के आवंटन का आधार; अंतर-विभागीय स्थानान्तरण; विभागीय व्यापार खाता, लाभ और हानि खाते की तैयारी (सामान्य लाभ हानि खाता और चिठ्ठा सहित)।
शाखा लेखा: अर्थ, उद्देश्य और विधियाँ जिसमें देनदार प्रणाली, स्टॉक और देनदार प्रणाली, अंतिम खाता प्रणाली शामिल है; थोक शाखा प्रणाली और विदेशी शाखाओं को छोड़कर स्वतंत्र शाखा प्रणाली; शाखा और विभागीय लेखांकन के बीच अंतर।

इकाई-III

बीमा दावे: बीमा दावों का अर्थ, आवश्यकता, स्टॉक की हानि नीति, परिणामी हानि नीति, व्यापक हानि नीति, बीमा दावों का पता लगाने हेतु चरण, लाभ की परिणामी हानि सहित असामान्य मदों के साथ स्टॉक की हानि की गणना और औसत कारण का अनुप्रयोग।

अपूर्ण खाता प्रणाली: एकल प्रविष्टि को दोहरी प्रविष्टि प्रणाली में परिवर्तित करना, रूपांतरण के चरण, बिक्री, खरीद, स्टॉक, नकदी और बैंक शेष, पूंजी आदि का पता लगाना, अंतिम खातें तैयार करना।

इकाई-IV

किराया क्रय लेखांकन: - किराया क्रय प्रणाली का अर्थ और महत्व, किराया क्रय अधिनियम 1972 के प्रावधान, किराया क्रय खातें तैयार करना: - किराया-क्रेता और किराया-विक्रेता की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ और खाता बही ।

किस्त प्रणाली लेखांकन: किस्त प्रणाली का अर्थ और महत्व, किराया क्रय और किस्त प्रणाली के बीच अंतर, किस्त भुगतान खातें तैयार करना: क्रेता और विक्रेता की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ और खाता बही ।

नोट: छात्र को बैटरी से चलने वाले कैलकुलेटर का उपयोग करने की अनुमति होगी, जिसमें 12 से अधिक अंक, 6 फ़ंक्शन और 2 मेमोरी नहीं होनी चाहिए ।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

1. शर्मा, शाह, मंगल, अग्रवाल: वित्तीय लेखांकन, आरबीडी, जयपुर।

2. जैन, खंडेलवाल, पारीक, दवे: वित्तीय लेखांकन, अजमेरा बुक कंपनी, जयपुर।

3. अग्रवाल, शर्मा, पुरोहित, शर्मा: वित्तीय लेखांकन, शिवम बुक हाउस, जयपुर।

4. तुलसियान: वित्तीय लेखांकन: सुल्तान चंद एंड संस, नई दिल्ली।

5. शुक्ला और ग्रेवाल: अग्रिम खाते, सुल्तान चंद एंड संस, नई दिल्ली।

6. माहेश्वरी एस.एन.: वित्तीय लेखांकन, विकास पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली।

7. सहगल ए. और सहगल डी.: उन्नत लेखांकन, टैक्समैन प्रकाशन, नई दिल्ली।

8. जैन एस.पी. और नारंग के.एल.: वित्तीय लेखांकन, कल्याणी प्रकाशक, दिल्ली।

9. मोंगा जे.आर.: वित्तीय लेखांकन, मयूर पेपर बुक, नई दिल्ली।

10. गुप्ता, आर.एल.: उन्नत वित्तीय लेखांकन, एस. चंद एंड संस, नई दिल्ली।

11. कुमार ए.एस.: उन्नत वित्तीय लेखांकन, हिमालय प्रकाशन हाउस।

12. पॉल सीनियर के.: अकाउंटेंसी, खंड-I और II, न्यू सेंट्रल बुक एजेंसी, कोलकाता।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम:

1.लेखांकन की बुनियादी अवधारणाओं और प्रक्रिया की समझ पैदा करता है।

2. एकल स्वामित्व व्यवसाय की विभिन्न सहायक पुस्तकें, तलपट और अंतिम खाते तैयार करने की क्षमता प्रदान करता है

3. विभागीय लाभ और हानि खाता और चिट्ठा तैयार करने की क्षमता प्रदान करता है।

4. शाखा खाते तैयार करने की विभिन्न विधियों की गहन समझ विकसित करता है।

5. स्टॉक की हानि, लाभ की परिणामी हानि और आग दुर्घटना की स्थिति में बीमा कंपनी से दावा की जाने वाली राशि के मूल्यांकन की प्रक्रिया की समझ विकसित करता है।

6. सभी प्रासंगिक समायोजनों के साथ बहीखाता पद्धति की एकल प्रविष्टि को दोहरी प्रविष्टि प्रणाली में बदलने में शामिल चरणों की जानकारी देता है

7. किराया खरीद, किस्त से संबंधित लेनदेन के लिए खाते तैयार करने की क्षमता प्रदान करता है।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

कार्यक्रम का नाम: चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक (ABST)
पाठ्यक्रम का शीर्षक: निगमीय लेखांकन
पेपर कोड: UG0203-ABS-51T-102
सेमेस्टर: I

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
I	UG0203-ABS-51T-102	निगमीय लेखांकन	5	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम वितरण का प्रकार		
प्रारंभिक	प्रमुख	व्याख्यान - प्रति सप्ताह छह घंटे		

परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
मिडटर्म -1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म -12 अंक EoSE-48 अंक

विस्तृत पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. लेखामानक और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानक से परिचित होना।
2. अंशों और ऋणपत्रों के निर्गम और शोधन के लिए लेखांकन उपचार लागू करना।
3. अंशों और ऋणपत्रों के अभिगोपन की प्रक्रिया को समझना।
4. क्रय प्रतिफल की गणना करना और व्यवसाय के अधिग्रहण के लिए आवश्यक लेखांकन उपचार को लागू करना।
5. किसी कंपनी द्वारा समामेलन से पहले और बाद में अर्जित लाभ का निर्धारण करना।
6. कंपनियों के वित्तीय विवरण तैयार करना।
7. किसी कंपनी की ख्याति और अंशों के मूल्यांकन की प्रक्रिया को समझना।

इकाई-I

भारतीय लेखांकन मानकों का परिचय और लेखांकन में उनकी प्रासंगिकता, AS-1, AS-9, AS-14 और AS-20 और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानक (IFRS) का परिचय।

अंशों का निर्गमन : न्यूनतम अभिदान और अधि अभिदान, आनुपातिक आवंटन, अंशों को जब्त करना और पुनर्निर्गम, अधिकार अंश, स्वेट इक्विटी, अंशों का पुर्नक्रय, कर्मचारी स्टॉक विकल्प।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

इकाई-II

अधिमान अंशों का शोधन, ऋणपत्रों का निर्गमन और शोधन- अर्थ, प्रकार और ऋणपत्रों का निर्गमन। ऋणपत्रों का शोधन- अर्थ, प्रक्रिया और ऋणपत्रों के शोधन के तरीके।

इकाई-III

अंशों और ऋणपत्रों का अभिगोपन: चिह्नित और अचिह्नित आवेदन, फर्म अभिगोपन

कंपनियों का वित्तीय विवरण: वित्तीय विवरणों के उद्देश्य, कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची III के अनुसार कंपनियों के वित्तीय विवरणों को तैयार और प्रस्तुत करना, लाभ और हानि खाते और चिट्ठे का प्रारूप और सामग्री।

प्रबंधकीय पारिश्रमिक, कंपनी के लाभ का निपटान और बोनस अंश निर्गमन करना।

इकाई-IV

ख्याति का मूल्यांकन - अर्थ, प्रकृति, कारक, वर्गीकरण और आवश्यकता। मूल्यांकन के तरीके: औसत लाभ विधि, अधिलाभ विधि, पूंजीकरण विधि, वार्षिकी विधि।

अंशों का मूल्यांकन - मूल्यांकन की आवश्यकता, अंशों के मूल्य को प्रभावित करने वाले कारक, अंशों के मूल्यांकंन की विधियां: शुद्ध संपत्ति विधि, उपार्जित विधि और उचित मूल्य विधि।

नोटः अभ्यर्थी को शोररहित बैटरी चालित पॉकेट कैलकुलेटर का उपयोग करने की अनुमति होंगी जिसमें 12 अंक, 6 फंक्शन और 2 मेमोरी से अधिक नही होना चाहिए

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

1. तुलसियान पी.सी. & सीए भारत तुलसियान: कॉर्पोरेट अकाउंटिंग, एस. चंद, नई दिल्ली।
2. माहेश्वरी एस. एन. सीए शरद के माहेश्वरी और डॉ. सुनील के माहेश्वरी: विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
3. एमसी शुक्ला, टीएस ग्रेवाल, एससी गुप्ता: एडवांस अकाउंट्स, एस. चंद नई दिल्ली।
4. शर्मा, शाह, मंगल: कॉर्पोरेट अकाउंटिंग, आरबीडी, जयपुर।
5. जैन, खंडेलवाल, पारीक, दवे: कॉर्पोरेट अकाउंटिंग, अजमेरा बुक कंपनी, जयपुर।

पाठ्यक्रम सीखने का परिणाम

1. अंश निर्गमन करने और अधिमान अंशों के शोधन से संबंधित विभिन्न लेखांकन उपचार की समझ पैदा करना।

2. ऋणपत्र निर्गमन और शोधन के लिए लेखांकन प्रक्रियाओं का निर्धारण करता है।

3. व्यवसाय के अधिग्रहण और अंशों तथा ऋणपत्रों के अभिगोपन की प्रक्रिया को समझाता है।

4. विभिन्न वित्तीय निर्णयों के लिए कंपनी अधिनियम 2013 के अनुसार वित्तीय विवरण तैयार करता है।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

5. ख्याति और अंशों के मूल्यांकन की प्रक्रिया को समझाता है।

पाठ्यक्रम: UG0203-B.Com. (ABST)
सेमेस्टर-II - ABST

प्रकार	पेपर कोड और नामकरण	परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक (मिडटर्म + EoSE)	न्यूनतम अंक (मिडटर्म + EoSE)
सिद्धांत	UG0203-ABS-52T-103-व्यावसायिक सांख्यिकी	मिडटर्म-1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म-12 अंक EoSE-48 अंक
सिद्धांत	UG0203-ABS-52T-104-उच्चतर निगमीय लेखांकन	मिडटर्म-1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म-12 अंक EoSE-48अंक

पाठ्यक्रम: UG0203-बी.कॉम. (पास कोर्स)
सेमेस्टर- II ABST

प्रकार	पेपर कोड और नामकरण	परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक (मिडटर्म + EoSE)	न्यूनतम अंक (मिडटर्म + EoSE)
सिद्धांत	UG0203-ABS-52T-103-व्यावसायिक सांख्यिकी	मिडटर्म-1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म-12 अंक EoSE-48 अंक

कार्यक्रम का नाम: चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक (पास कोर्स)
पाठ्यक्रम का शीर्षक: व्यावसायिक सांख्यिकी
पेपर कोड:UG0203-ABS-52T-103
सेमेस्टर- II

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
II	UG0203-ABS-52T-103	व्यावसायिक सांख्यिकी	5	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार		
प्रारंभिक	प्रमुख	व्याख्यान, -प्रति सप्ताह छह घंटे		

परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
मिडटर्म -1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म -12 अंक EoSE-48 अंक

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

विस्तृत पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. छात्रों को विभिन्न सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण उपकरणों से परिचित कराना जिनका उपयोग व्यवसाय में प्रभावी निर्णय लेने के लिए किया जा सकता है।
2. व्यवसाय सांख्यिकीय विश्लेषण में उपयोग की जाने वाली प्रमुख शब्दावली, अवधारणाओं, उपकरणों और तकनीकों का वर्णन करता है।
3. व्यवसाय में विभिन्न व्यावहारिक समस्याओं पर निर्णय लेने के लिए व्यावसायिक आंकडों को प्रस्तुत करने, विश्लेषण करने, व्याख्या करने के लिए उपयुक्त सांख्यिकीय तकनीकों की पहचान कर उन्हें लागू करना।
4. केंद्रीय प्रवृत्ति, फैलाव, विषमता, सहसंबंध गुणांक और प्रतिगमन के उपायों की गणना करने के लिए व्यापक ज्ञान प्रदान करता है।
5. सूचकांक संख्याओं की समझ और इसके उपयोग और विधियों का ज्ञान ।

इकाई –I

सांख्यिकी का अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ, महत्व और सीमाएँ। प्राथमिक और द्वितीयक समकों का अर्थ, उपयोग तथा अंतर, समकों के संकलन की विधियां, समकों का वर्गीकरण और सारणीकरण।

केंद्रीय प्रवृत्ति का अर्थ, अनुप्रयोग और सीमाएँ। केंद्रीय प्रवृत्ति के माप- गणितीय माध्य, माध्यिका, बहुलक और विभाजन मान- चतुर्थक, अष्टक, दशमलव, प्रतिशत।

इकाई –II

अपकिरण के माप: विस्तार, चतुर्थक विचलन, माध्य विचलन, मानक विचलन और उनके गुणांक, संयुक्त मानक विचलन, भिन्नता का गुणांक, अपकिरण के मापों के उपयोग और व्याख्या।

विचरण का अर्थ, फैलाव और विषमता एवं अपकिरण के मध्य अंतर, विषमता और उनके गुणांक की गणना करने के प्रकार कार्ल पियर्सन और बाउली।

इकाई –III

सहसंबंध का अर्थ, महत्व और उपयोग, सहसंबंध की गणना के लिए विभिन्न तरीके- स्कैटर आरेख, कार्ल पियर्सन का सहसंबंध गुणांक, स्पीयरमैन रैंक सहसंबंध, संगामी विचलन विधि।

प्रतिगमन विश्लेषण का अर्थ, महत्व और उपयोग, सहसंबंध और प्रतिगमन के बीच अंतर, दो प्रतिगमन समीकरणों की गणना।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

इकाई –IV

सूचकांक संख्याओं का अर्थ, महत्व और उपयोग, सरल और भारित मूल्य सूचकांक, निर्माण विधि: सापेक्षों का औसत, समूही विधि, फिशर आदर्श सूचकांक, आधार स्थानांतरण और रूपांतरण, अपस्फीति, संस्फीति।

समकों की प्रस्तुति: आवृत्ति वितरण के आरेख / ग्राफ़ - औजाइव और हिस्टोग्राम।

नोट: परीक्षार्थी को शोर रहित बैटरी से चलने वाले कैलकुलेटर का उपयोग करने की अनुमति होगी जिसमें 12 से अधिक अंक, 6 फ़ंक्शन और 2 मेमोरी नहीं होनी चाहिए ।

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

1. एस. पी. गुप्ता सांख्यिकी विधियाँ, सुल्तान चंद एंड संस, नई दिल्ली।
2. खन्ना और गुप्ता, व्यवसाय सांख्यिकी, प्रान्तिस हॉल।
3. चिक्कोडी और सत्यप्रकाश: बिजनेस सांख्यिकी, हिमालय पब्लिशिंग हाउस प्रा. लि.
4. नवल बाजपेयी: बिजनेस सांख्यिकी, पियर्सन एजुकेशन।
5. गोयल, रंगा, गुप्ता, जैन, गुप्ता: सांख्यिकी, अजमेरा बुक कंपनी, जयपुर।
6. शर्मा, जैन, पारीक: बिजनेस सांख्यिकी, शिवम बुक हाउस, जयपुर।
7. ओसवाल, अग्रवाल, मोदी और भार्गव: बिजनेस सांख्यिकी, रमेश बुक डिपो, जयपुर।
8. आर.एस.एन. पिल्लई और भगवती, एस. चंद एंड कंपनी लिमिटेड, नई दिल्ली।
9. जे.के. शर्मा, बिजनेस सांख्यिकी, विकास पब्लिशिंग हाउस प्रा. लि., नई दिल्ली।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम:

1. सांख्यिकी और इसके अनुप्रयोगों की मूल बातों की जानकारी प्रदान करता है।

2. व्यवसाय निर्णय लेने के लिए विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों का ज्ञान प्रदान करता है।

3. सूचित निर्णय लेने के लिए डेटा संग्रह, प्रस्तुति, विश्लेषण और व्याख्या के लिए उपयुक्त विधि का चयन करता है।

4. विभिन्न प्रबंधकीय स्थितियों के दो चरों के बीच संबंधों का विश्लेषण करता है।

5. बुनियादी सांख्यिकीय मापदंडों की गणना करता है तथा प्रतिगमन, सहसंबंध और सूचकांक आदि की सहायता से पूर्वानुमान करता है।

6. व्यावसायिक निर्णय लेने के लिए समस्याओं को करता है और विभिन्न सांख्यिकीय तकनीकों के साथ समाधानों की व्याख्या करता है।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

कार्यक्रम का नाम: चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक (ABST)
पाठ्यक्रम का शीर्षक: उच्चतर निगमिय लेखांकन
पेपर कोड: UG0203-ABS-52T-104
सेमेस्टर: II

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
II	UG0203-ABS-52T-104	उच्चतर निगमिय लेखांकन	5	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम वितरण का प्रकार		
प्रारंभिक	प्रमुख	व्याख्यान - प्रति सप्ताह छह घंटे		

परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
मिडटर्म -1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म -12 अंक EoSE-48 अंक

विस्तृत पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. वित्तीय विवरणों को समेकित करने की अवधारणा और उद्देश्य की पहचान करना और लेखांकन प्रक्रियाओं के माध्यम से इसे समझना।
2. मानव संसाधन लेखांकन से परिचित होना।
3. किसी कंपनी के अधिग्रहण, एकीकरण या पुनर्निर्माण के समय परिचालन महत्व का अनुमान लगाना।
4. कंपनी के समापन में कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों को समझना और लागू करना।
5. फोरेंसिक लेखांकन की अवधारणा और अनुप्रयोग से परिचित होना।
6. बीमा कंपनियों और बैंकिंग कंपनियों के वित्तीय विवरण तैयार करने में लागू तंत्र को समझना।

इकाई-I

कंपनियों का आंतरिक पुनर्निर्माण: पूंजी कटौती से संबंधित अर्थ, उद्देश्य और कानूनी प्रावधान, आंतरिक पुनर्निर्माण की प्रक्रिया, आंतरिक पुनर्निर्माण की विधि, लेखांकन प्रक्रिया, जर्नल प्रविष्टियों को पारित करना और पुनर्निर्माण के बाद चिट्ठा तैयार करना।

कंपनियों का समामेलन (एएस 14): अवशोषण और बाहरी पुनर्निर्माण, अर्थ, प्रकार (क्रय और विलय), क्रय प्रतिफल, हस्तान्तरणकर्ता कंपनी और हस्तान्तरणकर्ता कंपनी की पुस्तकों में लेखांकन, अंतर-कंपनी स्वामित्व और सूत्रधारी कम्पनी के लिए विशेष खाता समायोजन प्रविष्टियाँ।

इकाई-II

कंपनियों का समापन: समापन का अर्थ और प्रकार, अंशदाताओं की देयता, अधिमान्य लेनदार, परिसमापक के कमीशन की गणना, स्थिति विवरण तैयार करना, समापक के अंतिम खाता विवरण की तैयारी, न्यूनता या आधिक्य को तैयार करना- बी सूची अंशदाताओं।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

बैंकिंग कंपनियों के खाते: परिचय और अर्थ, बैंकिंग कंपनियों द्वारा बनाए जाने वाले खातों की पुस्तकें, बैंक लेखांकन की विशेष विशेषताएं, छूट वाले बिलों पर छूट, वैधानिक भंडार, वैधानिक तरलता अनुपात, नकद आरक्षित अनुपात, एनपीए, संपत्ति वर्गीकरण और प्रावधान, अंतिम खातों की तैयारी।

इकाई-III

जीवन बीमा कंपनियों के खाते: अर्थ, बीमा के प्रकार, वैधानिक और सहायक पुस्तकें, शुद्ध देयता का निर्धारण और पॉलिसी धारकों को देय राशि, आयगत खाते और चिट्ठा तैयार करना।

सामान्य बीमा कंपनियों के खाते: अग्नि, समुद्री और विविध बीमा, आरक्षित निधि के उपचार से संबंधित प्रावधान, आयगत खाता, लाभ हानि खाता, लाभ हानि विनियोग खाता और चिट्ठा तैयार करना।

इकाई-IV

सूत्रधारी और सहायक कंपनियों के खाते: सूत्रधारी कंपनी खाते (एएस 21) - सूत्रधारी और सहायक कंपनियों का अर्थ और अवधारणा, सूत्रधारी कंपनियों और उसकी सहायक कंपनियों के खातों की प्रस्तुति से संबंधित कानूनी आवश्यकता, समेकित चिट्ठा तथा लाभ हानि खाता।

मानव संसाधन लेखांकन: मानव संसाधन लेखांकन का अर्थ, उद्देश्य, आवश्यकता और विकास, मानव संसाधनों का मूल्यांकन - ऐतिहासिक लागत दृष्टिकोण, प्रतिस्थापन लागत दृष्टिकोण, अवसर लागत दृष्टिकोण, प्रमाप लागत दृष्टिकोण और वर्तमान मूल्य दृष्टिकोण, वित्तीय विवरणों में रिकॉर्डिंग और प्रकटीकरण।

नोट: अभ्यर्थी को शोररहित बैटरी चालित पॉकेट कैलकुलेटर का उपयोग करने की अनुमति होंगी जिसमें 12 अंक, 6 फंक्शन और 2 मेमोरी से अधिक नही होना चाहिए

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

1. शर्मा, शाह, मंगल: उन्नत लेखा, आरबीडी, जयपुर।
2. जैन, खंडेलवाल, पारीक, दवे: उन्नत लेखा, अजमेरा बुक कंपनी, जयपुर।
3. अग्रवाल, शर्मा, पुरोहित, शर्मा: उन्नत लेखा, शिवम बुक हाउस, जयपुर।
4. तुलसियान: उन्नत लेखा: सुल्तान चंद एंड संस, नई दिल्ली।
5. शुक्ला और ग्रेवाल: अग्रिम खाते, सुल्तान चंद एंड संस, नई दिल्ली।
6. माहेश्वरी एस.एन.: एडवांस्ड अकाउंटिंग, विकास पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली।
7. सहगल ए. और सहगल डी.: एडवांस्ड अकाउंटिंग, टैक्समैन पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
8. जैन एस.पी. और नारंग के.एल.: एडवांस्ड अकाउंटिंग, कल्याणी पब्लिशर, दिल्ली।
9. मोंगा जे.आर.: एडवांस्ड अकाउंटिंग, मयूर पेपर बुक, नई दिल्ली।
10. गुप्ता, आर.एल.: एडवांस्ड अकाउंटिंग, एस. चंद एंड संस, नई दिल्ली।

पाठ्यक्रम सीखने का परिणाम

1. सूत्रधारी और सहायक कंपनी के समेकित वित्तीय विवरण तैयार करता है।

2. मानव संसाधन लेखांकन से परिचित कराता है।

3. किसी कंपनी के आंतरिक पुनर्निर्माण के लिए लेखांकन प्रक्रियाओं को समझाता है।

4. किसी कंपनी के अवशोषण और बाहरी पुनर्निर्माण की लेखांकन प्रक्रिया को समझाता है।

5. कंपनी के समापन में कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों और प्रक्रिया को समझाता है।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

6. फोरेंसिक अकाउंटिंग की अवधारणा और अनुप्रयोग को समझाता है।

7. बैंकिंग और बीमा कंपनियों के वित्तीय विवरण तैयार करने की समझ विकसित करता है।

पाठ्यक्रम: UG0203-B.Com. (ABST)
सेमेस्टर-III - ABST

प्रकार	पेपर कोड और नामकरण	परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक (मिडटर्म + EoSE)	न्यूनतम अंक (मिडटर्म + EoSE)
सिद्धांत	UG0203-ABS-63T-201-लागत लेखांकन	मिडटर्म-1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म-12 अंक EoSE-48 अंक
सिद्धांत	UG0203-ABS-63T-202-उच्चतर व्यवसाय सांख्यिकी	मिडटर्म-1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म-12 अंक EoSE-48अंक

कार्यक्रम का नाम: चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक (ABST)
पाठ्यक्रम का शीर्षक: लागत लेखांकन (सिद्धांत)
पेपर कोड: UG0203-ABS-63T-201-लागत लेखांकन
सेमेस्टर: III

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
III	UG0203-ABS-63T-201	लागत लेखांकन	6	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम वितरण का प्रकार		
मध्यवर्ती	प्रमुख	व्याख्यान - प्रति सप्ताह छह घंटे		
परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक		
मिडटर्म -1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म -12अंक EoSE-48 अंक		

विस्तृत पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. छात्रों को लागत लेखांकन की मूल अवधारणाओं से परिचित कराना
2. लागत लेखांकन तकनीकों में शामिल विभिन्न विधियों का ज्ञान प्रदान करना।
3. लागत निर्धारण प्रणाली और लागत निर्धारण डेटा के उपयोग के बारे में बताता है।
4. लागत लेखांकन के संबंध में योजना, नियंत्रण और निर्णय लेने की प्रणाली को जानना

इकाई –I

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

परिचय: लागत का परिचय, अर्थ और परिभाषा, लागत केंद्र, लागत निर्धारण, लागत लेखांकन और लेखाशास्त्र, लागत लेखांकन के उद्देश्य, महत्व और सीमाएँ। लागत लेखांकन की प्रणालियाँ, विधियाँ

और तकनीकें। वित्तीय और लागत लेखांकन के बीच अंतर, सामग्री क्रय और भंडारण। सामग्री का मूल्यांकन और निर्गमन, सामग्री लागत नियंत्रण।

इकाई -II

श्रम: समय और मजदूरी की रिकॉर्डिंग, पारिश्रमिक के तरीके, प्रोत्साहन योजनाएँ। वेतन का आवंटन, श्रम टर्नओवर और निष्क्रिय समय और ओवरटाइम का उपचार। उपरिव्यय: उपरिव्यय का अर्थ, संग्रह, वर्गीकरण, आवंटन, प्रभाजन और अवशोषण।

इकाई लागत लेखांकन: लागत पत्रक, प्रति इकाई लागत विवरण, लागत का विवरण तैयार करके निविदा मूल्य की गणना।

इकाई –III

ठेका एवं कार्य लागत लेखांकन: लागत अनुबंध, वृद्धि खंड, अर्द्ध निर्मित, पूर्ण, अपूर्ण और पूर्ण होने के निकट ठेकों पर लाभ।
परिचालन लागत लेखांकन: अर्थ और उद्देश्य। यात्रा और माल के लिए परिवहन से संबंधित परिचालन लागत का विवरण तैयार करना।

इकाई -IV

सीमांत लागत लेखांकन: सीमांत लागत लेखांकन का अर्थ, अवधारणा, महत्व और सीमाएँ तथा सम–विच्छेद विश्लेषण। लागत मात्रा लाभ और समविच्छेद विश्लेषण, समविच्छेद चार्ट (सीमांत लागत निर्धारण के अंतर्गत स्टॉक मूल्यांकन और अवशोषण लागत निर्धारण तथा प्रबंधकीय निर्णयों से संबंधित समस्याओं को छोड़कर)।

प्रमाप लागत लेखांकन: प्रमाप लागत लेखांकन का अर्थ, अवधारणा, महत्व और सीमाएँ। केवल प्रमाप निर्धारित करना और सामग्री और श्रम विचरणों की गणना करना।

नोट: परीक्षार्थी को शोररहित बैटरी चालित पॉकेट कैलकुलेटर का उपयोग करने की अनुमति होगी जिसमें 12 अंक, 6 फ़ंक्शन और 2 मेमोरी से अधिक नहीं होनी चाहिए ।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

1. सक्सेना और वशिष्ठ, लागत लेखांकन, सुल्तान चंद एंड संस, दिल्ली
2. बी.के. मेहता, लागत लेखांकन, साहित्य भवन प्रकाशन
3. अग्रवाल और चतुर्वेदी, लागत लेखांकन (खंड I और II)
4. जैन खंडेलवाल पारीक, लागत लेखांकन, अजमेरा बुक कंपनी
5. अग्रवाल शाह मंगल, लागत लेखांकन, रमेश बुक डिपो, जयपुर
6. एम.एल. अग्रवाल, के.एल. गुप्ता, लागत लेखांकन, साहित्य भवन प्रकाशन
7. एस.पी. जैन, के.एल. नारंग, एल.सी. मित्तल, सिम्मी अग्रवाल, लागत लेखांकन, कल्याणी प्रकाशन

पाठ्यक्रम सीखने का परिणाम

1. संबंधित उद्योग में इसके अनुप्रयोग के साथ लागत के विभिन्न तत्वों की समझ विकसित करता है।
2. छात्रों में विभिन्न लागत लेखांकंन तकनीकों की सहायता से निर्णयन क्षमता का विकास होता है। छात्र ऐसी लेखांकन जानकारी से निर्णय लेकर अपने ज्ञान को लागू करना सीखने में मदद करता है।
3. छात्र लागत खातों के प्रकारों के बारे में ज्ञान प्राप्त करते हैं और इस क्षेत्र में विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करते हैं।
4. वे प्रक्रिया लागत निर्धारण, सीमांत लागत निर्धारण और इसके आधार पर नियमित लागत रिपोर्ट तैयार करना सीखेंगे।
5. यह लागत लेखांकन के क्षेत्र में पेशेवर विकास के लिए उत्कृष्ट गुंजाइश प्रदान करता है

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

कार्यक्रम का नाम: चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक (ABST)

पाठ्यक्रम का शीर्षक: उच्चतर व्यवसाय सांख्यिकी (सिद्धांत)
पेपर कोड: UG0203-ABS-63T-202- उच्चतर व्यवसाय सांख्यिकी
सेमेस्टर: III

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
III	UG0203-ABS-63T-202	उच्चतर व्यवसाय सांख्यिकी	6	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम वितरण का प्रकार		
मध्यवर्ती	प्रमुख	व्याख्यान = प्रति सप्ताह छह घंटे		

परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
मिडटर्म -1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म -12 अंक EoSE-48 अंक

विस्तृत पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. जटिल व्यावसायिक समस्याओं को हल करने के लिए सांख्यिकीय विधियों को लागू करना।

2. सांख्यिकीय परिणामों की सटीक व्याख्या करना और डेटा-संचालित व्यावसायिक निर्णय लेना

3. प्रतिगमन विश्लेषण जैसी उच्चतर सांख्यिकीय तकनीकों में दक्षता प्राप्त करना।

4. सांख्यिकीय निष्कर्षों की वैधता और विश्वसनीयता का मूल्यांकन करने के लिए आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना।

5. व्यावसायिक अनुप्रयोगों के लिए पूर्वानुमान और निर्देशात्मक मॉडल को समझना एवं बनाना।

6. तकनीकी और गैर-तकनीकी दोनों दर्शकों के लिए सांख्यिकीय निष्कर्षों और अंतर्दृष्टि को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करने की क्षमता विकसित करना।

7. आंकड़ों के विश्लेषण के नैतिक निहितार्थ और आंकड़ों की अखंडता और गोपनीयता के महत्व को समझना।

इकाई-I

प्रायिकता सिद्धांत संयुक्त और सीमांत प्रायिकता, पश्च संभावना और अपेक्षित मूल्य।

इकाई-II

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

ब्हुगुणी सहसंबंध और बहुगुणी प्रतिगमन। गुण साहचर्य

इकाई-III

सैद्धांतिक आवृत्ति वितरण- द्विपद, पॉइसन और सामान्य वितरण, Z - परीक्षण और T- परीक्षण

इकाई-IV

विचरण विश्लेषण, F परीक्षण और काई-स्क्वायर परीक्षण।

नोटः अभ्यर्थी को शोररहित बैटरी चालित पॉकेट कैलकुलेटर का उपयोग करने की अनुमति होंगी जिसमें 12 अंक, 6 फंक्शन और 2 मेमोरी से अधिक नही होना चाहिए

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

1. संचेती एवं कपूर: सांख्यिकी विधियाँ, सुल्तान चंद एंड संस

2. संचेती एवं कपूर: व्यावसायिक गणित, सुल्तान चंद एंड संस

3. माथुर, खंडेलवाल, गुप्ता, गुप्ता: उन्नत व्यावसायिक सांख्यिकी, (हिंदी और अंग्रेजी)

4. शर्मा, जैन एवं पारीक: सांख्यिकी विश्लेषण (हिंदी)

5. शर्मा, जैन एवं पारीक उन्नत व्यावसायिक सांख्यिकी (हिंदी)

6. अग्रवाल एनपी: उन्नत व्यावसायिक सांख्यिकी, आरबीडी

7. शर्मा जे.के. व्यावसायिक सांख्यिकी

8. गुप्ता एस.सी. व्यावसायिक सांख्यिकी के मूल सिद्धांत

9. पी.एन. अरोड़ा, सुमीत अरोड़ा, एवं एस. अरोड़ा, व्यावसायिक सांख्यिकी एवं विश्लेषण

पाठ्यक्रम सीखने का परिणाम

1. आंकड़ों का प्रभावी ढंग से विश्लेषण एवं व्याख्या करने के लिए उच्चतर सांख्यिकीय विधियों को लागू करता है।

2. सांख्यिकीय विश्लेषण एवं डेटा अंतर्दृष्टि के आधार पर सूचित व्यावसायिक निर्णय लेने की क्षमता विकसित करता है।

3. प्रतिगमन विश्लेषण, एनोवा, कालश्रेणी विश्लेषण, बहुगुणी विश्लेषण और गैर-पैरामीट्रिक विधियों सहित उच्चतर सांख्यिकीय तकनीकों में दक्षता प्रदान करता है।

4. वास्तविक दुनिया की व्यावसायिक समस्याओं को हल करने और परिचालन दक्षता में सुधार करने के लिए सांख्यिकीय विधियों को लागू करने की क्षमता प्रदान करता है।

5. सांख्यिकीय निष्कर्षों को संप्रेषित करने के लिए स्पष्ट और सूचनात्मक आंकड़ों को दृश्यावलोकन बनाने में विशेषज्ञता प्रदान करता है।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

6. वैधता, विश्वसनीयता और प्रयोज्यता के लिए सांख्यिकीय विधियों और परिणामों का गंभीर रूप से मूल्यांकन करने की क्षमता प्रदान करता है।

7. आंकड़ों के संग्रह, विश्लेषण और व्याख्या से संबंधित नैतिक मुद्दों को समझाता है जिसमें आंकड़ो की गोपनीयता और अखंडता शामिल है।

पाठ्यक्रम: UG0203-B.Com. (ABST)
सेमेस्टर-IV - ABST

प्रकार	पेपर कोड और नामकरण	परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक (मिडटर्म + EoSE)	न्यूनतम अंक (मिडटर्म + EoSE)
सिद्धांत	UG0203-ABS-64T-203-आयकर कानून और व्यवहार	मिडटर्म-1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म-12 अंक EoSE-48 अंक
सिद्धांत	UG0203-ABS-64T-204-वित्तीय सेवाएँ	मिडटर्म-1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म-12 अंक EoSE-48 अंक

कार्यक्रम का नाम: चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक (ABST)
पाठ्यक्रम का शीर्षक: आयकर कानून और व्यवहार (सिद्धांत)
पेपर कोड: UG0203-ABS-64T-203-आयकर कानून और व्यवहार
सेमेस्टर: IV

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
IV	UG0203-ABS-64T-203	आयकर कानून और व्यवहार	6	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार		
मध्यवर्ती	प्रमुख	व्याख्यान - प्रति सप्ताह छह घंटे		
परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक		
मिडटर्म -1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म -12 अंक EoSE-48 अंक		

विस्तृत पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. छात्र को आयकर के मूल सिद्धांतों का ज्ञान प्रदान करना तथा वर्तमान विनियमों के अनुसार अभ्यास करना।
2. आय के विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत आयकर के प्रावधानों को लागू करना।

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

3. आयकर के प्रावधानों जैसे छूट, हानि की पूर्ति करना तथा हानि को आगे ले जाना, कटौती तथा छूट से परिचित कराना।

4. किसी व्यक्ति के लिए कर देयता के व्यावहारिक मूल्यांकन में सहायता करना

इकाई-I

आयकर का परिचय, अर्थ तथा परिभाषाएँ, आय के शीर्ष, आवासीय स्थिति का निर्धारण, वेतन से आय की गणना

इकाई-II

मकान संपत्ति, मूल्यह्रास तथा अन्य प्रावधानों से आय की गणना तथा व्यवसाय और पेशे से आय

इकाई-III

पूंजीगत लाभ तथा अन्य स्रोतों से आय की गणना

इकाई-IV

क्लबिंग, हानि की पूर्ति करना और हानि को आगे ले जाना तथा सकल कुल आय से कटौती, व्यष्टियों का कर निर्धारण, कर का अग्रिम भुगतान तथा स्रोत पर कर कटौती

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

1. सिंघानिया और सिंघानिया: आयकर के लिए छात्र गाइड, टैक्समैन. गुप्ता और गुप्ता: आयकर के लिए छात्र नोट्स, टैक्सबुक।
2. आहूजा और गुप्ता: प्रत्यक्ष कर, वाणिज्यिक कानून प्रकाशक
3. बांगर और बांगर: आयकर, आध्यापब्लिकेशन, इलाहाबाद।
4. अग्रवाल, जैन, शर्मा, शाह, मंगल रमेश बुक डिपो, जयपुर
5. चौधरी
6. मेहरोत्रा एच. सी., गोयल एस. पी., फंडामेंटल्स ऑफ इनकम टैक्स, साहित्य भवन प्रकाशन
7. मित्तल, बंसल, इनकम टैक्स लॉ एंड प्रैक्टिस, सुल्तान चंद एंड संस
8. बोहरा, इनकम टैक्स लॉ एंड प्रैक्टिस, जेएसआर पब्लिशिंग हाउस

पाठ्यक्रम सीखने का परिणाम

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

1. विभिन्न प्रकार की आवासीय स्थिति और उनकी कर देयता को समझाता है।
2. आय के विभिन्न शीर्षों के बारे में उच्च स्तर की जानकारी प्रदान करता है।
3. व्यावसायिक व्ययों के साथ-साथ पूंजीगत परिसंपत्तियों और पूंजीगत व्यय के बारे में विस्तृत जानकारी मिलती है।
4. उपलब्ध कटौतियों और छूटों के साथ कुल आय की गणना करने की क्षमता प्रदान करता है।
5. छात्र को वर्तमान नियमों के अनुसार आयकर के मूल सिद्धांतों और अभ्यास का ज्ञान प्रदान करता है।
6. आयकर के प्रावधानों जैसे छूट, हानि की पूर्ति करना और हानि को आगे ले जाना, कटौती और छूट को आगे बढ़ाना आदि से परिचित कराता है।

कार्यक्रम का नाम: चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक (ABST)
पाठ्यक्रम का शीर्षक: वित्तीय सेवाएँ (सिद्धांत)
पेपर कोड: UG0203-ABS-64T-204- वित्तीय सेवाएँ
सेमेस्टर: IV

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
IV	UG0203-ABS-64T-204	वित्तीय सेवाएँ	6	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम वितरण का प्रकार		
मध्यवर्ती	प्रमुख	व्याख्यान =प्रति सप्ताह छह घंटे		

परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
मिडटर्म -1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म 30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म -12अंक EoSE-48 अंक

विस्तृत पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. विभिन्न वित्तीय संस्थानों के बारे में ज्ञान प्राप्त करें, जैसे बैंक, बीमा कंपनियाँ, विनियोग फर्म और अर्थव्यवस्था में उनकी भूमिकाएँ।
2. स्टॉक, बॉन्ड, म्यूचुअल फंड, डेरिवेटिव सहित विभिन्न वित्तीय साधनों और निवेश और जोखिम प्रबंधन में उनके उपयोग के बारे में जानें।
3. स्टॉक एक्सचेंज, बॉन्ड मार्केट और मनी मार्केट सहित वित्तीय बाजारों के कामकाज का अध्ययन करें और अर्थव्यवस्था पर उनके प्रभाव को समझें।
4. विभिन्न उपकरणों और तकनीकों का उपयोग करके वित्तीय जोखिमों की पहचान, आकलन और प्रबंधन करने के कौशल विकसित करें।
5. कानूनों, विनियमों और अनुपालन आवश्यकताओं सहित वित्तीय सेवाओं को नियंत्रित करने वाले नियामक ढांचे को समझें।
6. ग्राहक संबंधों और संतुष्टि को बढ़ाने के लिए वित्तीय क्षेत्र में ग्राहक सेवा रणनीतियों और प्रथाओं के बारे में जानें।
7. वित्तीय सेवाओं में नैतिक व्यवहार और व्यावसायिकता के महत्व पर जोर दें।
8. वैश्विक वित्तीय वातावरण और घरेलू वित्तीय बाजारों और संस्थानों पर इसके प्रभाव को समझें।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

इकाई-I

वित्तीय सेवाएं – परिचय, वित्तीय प्रणाली की भूमिका, क्षेत्र, महत्व, प्रकार और नवीन वित्तीय सेवाएँ।

म्यूचुअल फंड: अवधारणा, म्यूचुअल फंड का विकास, प्रकार, म्यूचुअल फंड का संगठन और व्यक्तिगत योजना का मूल्यांकन विधि यानी शुद्ध वर्तमान मूल्य

इकाई-II

फैक्टरिंग: अवधारणा, अर्थ, कार्य की प्रक्रिया, प्रकार और भविष्य की संभावनाएँ, ज़ब्त करना: अवधारणा, अर्थ, मुख्य विशेषताएँ, फैक्टरिंग और ज़ब्त करने के बीच अंतर और संचालन प्रक्रिया।

इकाई-III

ऋणों का प्रतिभूतिकरण: परिचय, अर्थ, उद्देश्य, महत्व, प्रतिभूतिकरण के लाभ और संरचना, क्रेडिट रेटिंग: अवधारणा, अर्थ प्रकार, लाभ, क्रेडिट रेटिंग बनाम वित्तीय विश्लेषण और क्रेडिट रेटिंग प्रक्रिया

इकाई-IV

वित्त और सम्पदा प्रबंध सेवाएं, निधिपाल सेवाएं, पेंशन फंड- PFRDA की भूमिका

नोटः अभ्यर्थी को शोररहित बैटरी चालित पॉकेट कैलकुलेटर का उपयोग करने की अनुमति होंगी जिसमें 12 अंक, 6 फंक्शन और 2 मेमोरी से अधिक नही होना चाहिए

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

1. अवधानी ए.वी.: भारत में वित्तीय सेवाएँ, हिमालय प्रकाशन

2. खान एम.वाई.: वित्तीय सेवाएँ, टाटा मैकग्रॉ हिल्स।

3. भोले एल.एम.: वित्तीय बाजार और संस्थान।

4. अगाशे अनिल: वित्तीय सेवा बाजार और विनियमन

पाठ्यक्रम सीखने का परिणाम

1. इक्विटी, ऋण, विदेशी मुद्रा और डेरिवेटिव बाजारों सहित वित्तीय बाजारों का व्यापक ज्ञान प्राप्त करता है।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

2. स्टॉक, बॉन्ड और अन्य प्रतिभूतियों के मूल्यांकन के लिए मौलिक और तकनीकी विश्लेषण सीखाता है।

3. पोर्टफोलियो सिद्धांत और निवेश रणनीतियों के सिद्धांतों को समझाता है।

4. बाजार जोखिम, ऋण जोखिम, परिचालन जोखिम और तरलता जोखिम सहित विभिन्न प्रकार के वित्तीय जोखिमों की पहचान कराता है।

5. वित्तीय सेवाओं को नियंत्रित करने वाले विनियामक ढांचे को समझ पैदा करता है, जिसमें प्रमुख विनियमन और अनुपालन आवश्यकताएं शामिल हैं।

6. पूंजी संरचना, वित्तपोषण निर्णय और लाभांश नीति सहित निगमिय वित्त के मूल सिद्धांतों की जानकारी प्रदान करता है, वित्तीय सेवा उद्योग में नैतिक मुद्दों और पेशेवर मानकों को समझ पैदा करता है।

पाठ्यक्रम: UG0203-B.Com. (ABST)
सेमेस्टर-V - ABST

प्रकार	पेपर कोड और नामकरण	परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक (मिडटर्म + EoSE)	न्यूनतम अंक (मिडटर्म + EoSE)
सिद्धांत	UG0203-ABS-75T-301- अंकेक्षण और वित्तीय रिपोर्टिंग विश्लेषण	मिडटर्म-1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म-12 अंक EoSE-48 अंक
सिद्धांत	UG0203-ABS-75T-302- सुरक्षा विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन	मिडटर्म-1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म-12 अंक EoSE-48अंक

कार्यक्रम का नाम: चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक (ABST)
पाठ्यक्रम का शीर्षक: अंकेक्षण और वित्तीय रिपोर्टिंग विश्लेषण (सिद्धांत)
पेपर कोड: UG0203-ABS-75T-301- अंकेक्षण और वित्तीय रिपोर्टिंग विश्लेषण
सेमेस्टर: V

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
V	UG0203-ABS-75T-301	अंकेक्षण और वित्तीय रिपोर्टिंग विश्लेषण	7	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार		
उच्च स्तर	प्रमुख	व्याख्यान - प्रति सप्ताह छह घंटे		

परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
मिडटर्म -1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म -12 अंक EoSE-48 अंक

विस्तृत पाठ्यक्रम
अंकेक्षण और वित्तीय रिपोर्टिंग विश्लेषण

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

1. अंकेक्षण ढांचे और विनियमों के अनुसार लेखापरीक्षा और पेशेवर नैतिकता के मूल सिद्धांतों को समझना।
2. अंकेक्षण जोखिमों का आकलन करना और तदनुसार जोखिम को कम करने की योजना बनाना।
3. आंतरिक नियंत्रण और आंतरिक अंकेक्षण के बारे में ज्ञान प्राप्त करना
4. लेखा परीक्षा में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न लेखापरीक्षा साक्ष्यों को पहचानना।
5. विभिन्न संगठनों के लिए अंकेक्षण रिपोर्ट तैयार करने में सक्षम होना
6. वित्तीय रिपोर्टिंग की विभिन्न तकनीकों को समझना।
7. अनुपात विश्लेषण के अनुप्रयोग से परिचित होना
8. यह समझना कि रोकड़ प्रवाह विवरण को उसकी गतिविधियों के साथ कैसे तैयार किया जाए।

इकाई-I

लेखा परीक्षा: अर्थ, उद्देश्य, धोखाधड़ी और त्रुटियाँ, बहीखाता और अंकेक्षण के बीच संबंध, अंकेक्षण प्रथाओं पर मानकों का प्राथमिक ज्ञान, अंकेक्षण के प्रकार। आंतरिक नियंत्रण उपाय, अंकेक्षण कार्यक्रम।

इकाई – II

संपत्तियों और देनदारियों की पुष्टि, सत्यापन और मूल्यांकन (व्यावहारिक सत्यापन सहित)। कंपनी ऑडिटर: नियुक्ति, अधिकार, कर्तव्य और जिम्मेदारी, निष्कासन और पारिश्रमिक। कंपनी अंकेक्षक अंकेक्षण और अंकेक्षक (कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 139 से 148 का संक्षिप्त ज्ञान), अंकेक्षण रिपोर्ट और प्रमाण पत्र।

इकाई-III

वित्तीय रिपोर्टिंग की मूल बातें, वित्तीय रिपोर्टिंग का उद्देश्य, वित्तीय रिपोर्ट के उपयोगकर्ता, वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए वैचारिक ढांचा।अनुपात विश्लेषण (चिट्ठे पर आधारित), पूंजी की लागत

इकाई-IV

वित्तीय विवरण विश्लेषण: वित्तीय विश्लेषण का अर्थ, प्रकृति, महत्व और तकनीकें: तुलनात्मक विवरण, समानाकार विवरण और प्रवृत्ति विश्लेषण। रोकड़ प्रवाह विवरण, उत्तोलक (परिचालन, वित्तीय और संयुक्त उत्तोलक)।

नोट: अभ्यर्थी को शोररहित बैटरी से चलने वाले पॉकेट कैलकुलेटर का उपयोग करने की अनुमति होगी, जिसमें 12 से अधिक अंक, 6 फ़ंक्शन और 2 मेमोरी नहीं होनी चाहिए

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

1. एच.एस. खंडेलवाल: ऑडिटिंग.शिवम प्रकाशन, जयपुर

2. टी.आर. शर्मा: ऑडिटिंग.साहित्य भवन प्रकाशन, आगरा

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

3. मनमोहन और गोयल: प्रबंधन लेखांकन के सिद्धांत, साहित्य भवन प्रकाशन, आगरा

4. जैन और खंडेलवाल: ऑडिटिंग और प्रबंधन लेखांकन, अजमेरा बुक कंपनी, जयपुर

5. अरुण कुमार, रचना शर्मा, ऑडिटिंग सिद्धांत और अभ्यास, अटलांटिक प्रकाशक

6. माहेश्वरी एस.एन: प्रबंधन लेखांकन और वित्तीय नियंत्रण, सुल्तान चंद एंड संस, दिल्ली

7. एम.आर. अग्रवाल: प्रबंधन लेखांकन, गरिमा प्रकाशन, जयपुर

8. सी.पी. जैन एवं एचएस खंडेलवाल, ऑडिटिंग एवं प्रबंधन लेखा, शिवम प्रकाशन, जयपुर

9. एस. एन. माहेश्वरी, प्रबंधन लेखा के प्रिंसिपल, सुल्तान चंद एंड संस, दिल्ली

10. एम. वाई. खान, पी. के. जैन, प्रबंधन लेखा, मैकग्रॉ हिल्स

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम

1. लेखा परीक्षा ढांचे और विनियमों के अनुसार लेखापरीक्षा और पेशेवर नैतिकता के मूल सिद्धांतों की समझ पैदा करता है।

2. छात्र प्रबंधन लेखांकन की मूल अवधारणा, महत्व और कार्यों के महत्व को समझ पायेगें।

3. छात्र विभिन्न अनुपातों की गणना करेंगे और विभिन्न अनुपातों के महत्व और उपयोग पर चर्चा करने में सक्षम होंगे।

4. यह छात्रों को मौलिक लेखापरीक्षा अवधारणाओं और प्रक्रियाओं, और लेखापरीक्षा मानकों के अनुप्रयोग की अच्छी समझ प्रदान करता है

5. छात्र सभी प्रकार के उत्तोलक की गणना करने और पूंजी बाजार की अच्छी समझ रखने में सक्षम होंगे।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

कार्यक्रम का नाम: चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक (ABST)
पाठ्यक्रम का शीर्षक: सुरक्षा विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन (सिद्धांत)
पेपर कोड:UG0203-ABS-75T-302- सुरक्षा विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन
सेमेस्टर: V

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
V	UG0202-ABS-75T-302	सुरक्षा विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन	7	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम वितरण का प्रकार		
उच्च स्तर	प्रमुख	व्याख्यान - प्रति सप्ताह चार घंटे		

परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
मिडटर्म -1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म -12अंक EoSE-48 अंक

विस्तृत पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. स्टॉक, बॉन्ड, डेरिवेटिव और अन्य निवेश साधनों सहित विभिन्न वित्तीय बाजारों और उपकरणों की व्यापक समझ हासिल करें।
2. प्रतिभूतियों के आंतरिक मूल्य का मूल्यांकन करने के लिए मौलिक और तकनीकी विश्लेषण विधियों को जानें।
3. वित्तीय विवरणों, उद्योग के रुझानों और सुरक्षा कीमतों को प्रभावित करने वाले आर्थिक कारकों का विश्लेषण करना सीखें।
4. व्यक्तिगत प्रतिभूतियों और पोर्टफोलियो की जोखिम और वापसी विशेषताओं का आकलन करने की क्षमता विकसित करें।
5. प्रमाप विचलन, बीटा और कैपिटल एसेट प्राइसिंग मॉडल (CAPM) जैसी अवधारणाओं को समझें।
6. सक्रिय बनाम निष्क्रिय प्रबंधन, विकास बनाम मूल्य निवेश और दीर्घकालिक बनाम अल्पकालिक रणनीतियों सहित विभिन्न निवेश रणनीतियों का अध्ययन करें।
7. निवेश प्रबंधन के लिए विभिन्न शैलियों और दृष्टिकोणों का विश्लेषण करें।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

8. विभिन्न मीट्रिक और बेंचमार्क का उपयोग करके व्यक्तिगत प्रतिभूतियों और निवेश पोर्टफोलियो के प्रदर्शन को मापना और उसका मूल्यांकन करना सीखें।
9. शार्प अनुपात, ट्रेयनोर अनुपात और जेन्सन के अल्फा जैसे जोखिम-समायोजित प्रदर्शन उपायों को समझें।
10. निवेश उद्योग में नियामक ढांचे और अनुपालन आवश्यकताओं के बारे में जानें।

इकाई-I

परिचय: सुरक्षा विश्लेषण का अर्थ और महत्व। प्रतिभूतियों के प्रकार, निवेश: निवेश विश्लेषण की प्रकृति और क्षेत्र, निवेश के तत्व, निवेश के मार्ग, निवेश विश्लेषण के दृष्टिकोण, प्रतिफल और जोखिम की अवधारणाएँ, सुरक्षा प्रतिफल और जोखिम विश्लेषण, जोखिम और प्रतिफल का मापन।

इकाई-II

वित्तीय परिसंपत्तियाँ: प्रकार और उनकी विशेषताएँ, वित्तीय जानकारी के स्रोत

इकाई-III

पूंजी बाजार सिद्धांत: पूंजी बाजार रेखा और सुरक्षा बाजार रेखा, जोखिम मुक्त उधार और उधार, फैक्टो मॉडल, आर्बिट्रेज मूल्य सिद्धांत, दो कारक और मल्टीफैक्टर मॉडल, प्रिंसिपल आर्बिट्रेज पोर्टफोलियो।

इकाई-IV

कुशल बाजार परिकल्पना: पोर्टफोलियो प्रदर्शन मूल्यांकन रिटर्न का मापन, जोखिम समायोजित रिटर्न का मापन, बाजार समय

नोटः अभ्यर्थी को शोररहित बैटरी चालित पॉकेट कैलकुलेटर का उपयोग करने की अनुमति होंगी जिसमें 12 अंक, 6 फंक्शन और 2 मेमोरी से अधिक नही होना चाहिए

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

1. सुरक्षा विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन: पी. पांडियन

2. निवेश विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन: मधुमती रंगराजन

3. बेंजामिन ग्राहम और डेविड डोड सुरक्षा विश्लेषण"

4. मैकिन्से एंड कंपनी इंक., टिम कोलर, मार्क गोएडहार्ट और डेविड वेसल्स, मूल्यांकन: कंपनियों के मूल्य को मापना और प्रबंधित करना

5. रिचर्ड सी. ग्रिनोल्ड और रोनाल्ड एन. काहन, सक्रिय पोर्टफोलियो प्रबंधन: बेहतर रिटर्न बनाने और जोखिम को नियंत्रित करने के लिए एक मात्रात्मक दृष्टिकोण

6. विलियम जे. बर्नस्टीन, निवेश के चार स्तंभ: एक विजयी पोर्टफोलियो बनाने के लिए सबक

पाठ्यक्रम सीखने का परिणाम

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

1. वित्तीय बाजारों की संरचना और कार्यप्रणाली और विभिन्न वित्तीय साधनों की भूमिकाओं की व्याख्या करता है।

2. प्रतिभूतियों के मूल्य और निवेश क्षमता का आकलन करने के लिए उनका मौलिक और तकनीकी विश्लेषण करता है।

3. विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों और व्यक्तिगत प्रतिभूतियों की जोखिम और लाभ का मूल्यांकंन करता है।

4. विशिष्ट निवेश उद्देश्यों और जोखिम सहनशीलता स्तरों के अनुरूप विविध निवेश पोर्टफोलियो विकसित और प्रबंधित करता है।

5. पोर्टफोलियो प्रदर्शन को अनुकूलित करने के लिए आधुनिक पोर्टफोलियो सिद्धांत और पूंजी परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण मॉडल (CAPM) का उपयोग करता है।

6. निवेश प्रदर्शन का पूर्वानुमान लगाने और सूचित निवेश निर्णय लेने के लिए वित्तीय मॉडलिंग तकनीकों का उपयोग करता है।

पाठ्यक्रम: UG0203-B.Com. (ABST)
सेमेस्टर-VI- ABST

प्रकार	पेपर कोड और नामकरण	परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक (मिडटर्म + EoSE)	न्यूनतम अंक (मिडटर्म + EoSE)
सिद्धांत	UG0203-ABS-76T-303- माल और सेवा कर (GST	मिडटर्म-1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म-12 अंक EoSE-48 अंक
सिद्धांत	UG0203-ABS-76T-304- परिचालन अनुसंधान	मिडटर्म-1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म-12 अंक EoSE-48अंक

कार्यक्रम का नाम: चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक (ABST)
पाठ्यक्रम का शीर्षक: माल और सेवा कर (GST) (सिद्धांत)
पेपर कोड: UG0203-ABS-76T-303-माल और सेवा कर (GST)
सेमेस्टर: VI

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
VI	UG0203-ABS-76T-303	माल और सेवा कर (GST)	7	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार		
उच्च स्तर	प्रमुख	व्याख्यान- प्रति सप्ताह छह घंटे		

परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
मिडटर्म -1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म -12 अंक EoSE-48 अंक

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

विस्तृत पाठ्यक्रम
वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. जीएसटी के बारे में अद्यतन, विस्तृत और व्यवस्थित ज्ञान प्रदान करना
2. विश्लेषणात्मक और समस्या-समाधान कौशल को बढ़ाकर निर्णय लेने में सक्षम बनाना।
3. जीएसटी के क्षेत्र में व्यवस्थित तरीके से विशेष और अद्यतन ज्ञान प्रदान करना;
4. छात्रों को जीएसटी से पहले की अवधि से लेकर जीएसटी के बाद की अवधि तक अप्रत्यक्ष कर और जीएसटी की अवधारणाओं को सीखने में सक्षम बनाना
5. भारतीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था में अप्रत्यक्ष करों (जीएसटी) के महत्व और आर्थिक विकास में इसके योगदान को समझना
6. कर योग्य क्षमता वाले उपभोक्ताओं, डीलरों और बड़े पैमाने पर समाज पर जीएसटी के प्रभावों और इसके परिवर्तनों को समझना
7. उन्हें कर नियोजन, कर प्रबंधन, कर का भुगतान और कर रिटर्न दाखिल करने में कर सलाहकार बनाना।

इकाई -1

जीएसटी, आईजीएसटी अधिनियम, 2017 का परिचय। सीजीएसटी, आईजीएसटी, एसजीएसटी और यूटीजीएसटी सहित जीएसटी की परिभाषा, लाभ, संवैधानिक पहलू और कानूनी ढांचा।

इकाई-II

आपूर्ति की प्रकृति की पहचान- अंतर्राज्यीय और अंतर्राज्यीय आपूर्ति, समग्र और मिश्रित आपूर्ति, सतत आपूर्ति और शून्य दर आपूर्ति, कर योग्य और गैर-कर योग्य आपूर्ति, छूट, जीएसटी की समग्र योजना, जीएसटी की लागू दरें।

इकाई-III

इनपुट टैक्स क्रेडिट से संबंधित अवधारणा और इनपुट टैक्स क्रेडिट की गणना। जीएसटी के तहत पंजीकरण प्रक्रिया, रिटर्न भरना, पुस्तकों और अभिलेखों का रखरखाव।

इकाई-IV

जीएसटी की गणना, कर का भुगतान, वापसी शुल्क, कर वापसी।

जीएसटी व्यवस्था का प्रशासन, मूल्यांकन, मांग और वसूली, निरीक्षण, तलाशी, जब्ती, अपराधों और दंड के संबंध में प्रावधान।

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

1. नित्य टैक्स एसोसिएट्स: जीएसटी की मूल बातें, टैक्समैन, दिल्ली।

2. डॉ. हर्षवर्धन: वस्तु एवं सेवा कर, भारत प्रकाशन, दिल्ली

3. शाह और मंगल: वस्तु एवं सेवा कर, आरबीडी, जयपुर

4. वस्तु एवं सेवा कर: पी.सी. प्रकाशन, जयपुर।

5. बांगर और बांगर: जीएसटी के लिए शुरुआती गाइड, आध्या प्रकाशन, इलाहाबाद।

पाठ्यक्रम सीखने का परिणाम

1. जीएसटी से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों की समझ, जीएसटी की आपूर्ति और जीएसटी लगाने की जानकारी प्रदान करता है।

2. छात्र वस्तु एवं सेवा कर, सीजीएसटी, एसजीसीटी, आईजीएसटी, वस्तुओं के वर्गीकरण और मूल्यांकन नियमों की बुनियादी अवधारणाओं के ज्ञान से अवगत होंगे।

3. छात्र जीएसटी के तहत पंजीकरण, रिटर्न दाखिल करने और कर के भुगतान को शामिल करते हुए बुनियादी प्रक्रियाओं को सीखेंगे।

4. छात्र ई-वे बिल और ई-इनवॉइसिंग, रिटर्न और भुगतान, खाता पुस्तकों और अभिलेखों के रखरखाव से अवगत होंगे।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

कार्यक्रम का नाम: चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक (ABST)
पाठ्यक्रम का शीर्षक: परिचालन अनुसंधान

(सिद्धांत)
पेपर कोड:UG0203-ABS-76T-304- परिचालन अनुसंधान
सेमेस्टर: VI

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
VI	UG0203-ABS-76T-304	परिचालन अनुसंधान	7	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम वितरण का प्रकार		
उच्च स्तर	प्रमुख	व्याख्यान - प्रति सप्ताह चार		

परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
मिडटर्म -1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म -12अंक EoSE-48 अंक

विस्तृत पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. जटिल निर्णय लेने की समस्याओं को हल करने में परिचालन अनुसंधान तकनीकों की बुनियादी अवधारणाओं, क्षेत्र और महत्व को समझाता है।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

2. संचालन अनुसंधान के इतिहास और विकास और विभिन्न क्षेत्रों में इसके अनुप्रयोगों के बारे में जानकारी देता है

3. रैखिक प्रोग्रामिंग की समस्याओं के निर्माण को बताता है।

4. रैखिक प्रोग्रामिंग की समस्याओं को हल करने के लिए ग्राफ़िकल और सिंप्लेक्स विधियों को समझाता है।

5. रैखिक प्रोग्रामिंग में संवेदनशीलता और द्वैत का विश्लेषण करता है।

6. पूर्णांक प्रोग्रामिंग की मूल बातें और पूर्णांक रैखिक प्रोग्रामिंग समस्याओं को हल करने के तरीकों को समझाता है।

7. गैर-रैखिक प्रोग्रामिंग और इन समस्याओं को हल करने के लिए उपयोग की जाने वाली विभिन्न तकनीकों के बारे में जानकारी देता है।
8. इन्वेंट्री स्तरों को अनुकूलित करने के लिए विभिन्न इन्वेंट्री मॉडल और तकनीकों के बारे में जानकारी देता है।
9. EOQ (आर्थिक आदेश मात्रा) और अन्य संबंधित इन्वेंट्री प्रबंधन अवधारणाओं को समझाता है।

इकाई-I

परिचालन अनुसंधान का परिचय, विशेषताएँ, मॉडल के प्रकार, तकनीक, क्षेत्र, संचालन अनुसंधान और निर्णय लेने की सीमाएँ।

रैखिक प्रोग्रामिंग- अर्थ, गुण और मान्यताएँ, एल.पी.पी. (LPP) का निर्माण, एल.पी. (LPP) की ग्राफिकल विधि, अव्यवहार्य समाधान, बहुविध समाधान, असीमित समाधान, ग्राफिक विधि की सीमाएँ

इकाई-II

रैखिक प्रोग्रामिंग- सिंप्लेक्स विधि- अधिकतमीकरण और न्यूनतमीकरण समस्याएँ, दो चरण विधि, व्यवहार्य समाधान का अभाव, अप्रतिबंधित चर, अवनति, द्वैत की अवधारणा, अनुप्रयोग क्षेत्र, एल.पी. की सीमाएँ।

इन्वेंट्री, नियंत्रण

इकाई-III

परिवहन मॉडल असाइनमेंट समस्याएं, निर्णय सिद्धांत,

इकाई-IV

नेटवर्क विश्लेषण: PERT और CPM, अनुक्रमण।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

नोटः अभ्यर्थी को शोररहित बैटरी चालित पॉकेट कैलकुलेटर का उपयोग करने की अनुमति होंगी जिसमें 12 अंक, 6 फंक्शन और 2 मेमोरी से अधिक नही होना चाहिए

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

1. खंडेलवाल और गुप्ता: ऑपरेशन रिसर्च, अजमेरा बुक कंपनी, जयपुर

2. वोहरा, एन.डी. क्वांटिटेटिव टेक्निक्स इन मैनेजमेंट, टाटा मैकग्रॉ हिल

3. तुलसियान और पांडे: क्वांटिटेटिव टेक्निक्स, पियर्सन एजुकेशन

4. शर्मा जे.के.: ऑपरेशन रिसर्च

पाठ्यक्रम सीखने का परिणाम

1 परिचालन अनुसंधान और मात्रात्मक विश्लेषण के सिद्धांतों और तकनीकों की व्याख्या करता है।
2 निर्णय लेने और अनुकूलन में परिचालन अनुसंधान की भूमिका का वर्णन करता है।
3 रैखिक प्रोग्रामिंग, पूर्णांक प्रोग्रामिंग और नेटवर्क मॉडल सहित गणितीय मॉडल में वास्तविक दुनिया की समस्याओं को तैयार करता है।
4 संसाधन आवंटन को अनुकूलित करने वाले मॉडल विकसित करने के लिए मात्रात्मक तकनीकों का उपयोग करता है।
5 अंतर्दृष्टि और सिफारिशें प्रदान करने के लिए गणितीय मॉडल के परिणामों का विश्लेषण और व्याख्या करता है।
6 परिचालन अनुसंधान की तकनीकों का उपयोग करके वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का समाधान करने के लिए रणनीति विकसित करता है।
7 विभिन्न परिचालन अनुसंधान तकनीकों और विधियों की ताकत और सीमाओं का मूल्यांकन करता है।
8 उपयुक्त मात्रात्मक तकनीकों को लागू करके डेटा-संचालित निर्णय लेने में मदद करता है।
9 परिचालन अनुसंधान विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्षों और सिफारिशों को हितधारकों के समक्ष स्पष्ट और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करता है।
10 परिचालन अनुसंधान मॉडल से प्राप्त समाधानों के सामाजिक प्रभाव पर विचार करता है।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR